खबर संक्षेप

250 ग्राम गांजे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। जिले में अवैध मादक पदार्थों के कारोबार पर रोक लगाने के लिए पुलिस प्रशासन इन दिनों पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है। पुलिस अधीक्षक डॉक्टर संजय कुमार अग्रवाल के सख्त निर्देशों के बाद जिलेभर के थानों में लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में देवलोंद थाना पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए अवैध रूप से गांजा बेच रहे एक युवक को दबोचने में कामयाबी पाई है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से मादक पदार्थ जब्त कर उसके खिलाफ एनडीपीएस अधिनियम के तहत कानूनी शिकंजा कस दिया है। 29 अक्टूबर 2026 को देवलोंद पुलिस को मुखबिर के जरिएसूचना मिली थी कि क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ का परिवहन किया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ने बिना वक्त गंवाए विशेष टीम का गठन किया। पुलिस टीम ने पूरी सतर्कता और वैधानिक प्रक्रिया का पालन करते हुए बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर दबिश दी। मौके पर एक संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को नजर आया, जिसके हुलिए का मिलान मुखबिर के बताए गए विवरण से पूरी तरह हो रहा था। पुलिस बल ने तत्काल संदिग्ध को रोककर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान उसने अपनी पहचान रूपेश बैस पिता राजाराम बैस, उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम चौरी के रूप में बताई। पुलिस ने जब विधिवत नियमों का पालन करते हुए उसकी तलाशी ली, तो उसके पास मौजूद झोले के अंदर एक काले रंग की पन्नी मिली। जब उस पन्नी की जांच की गई, तो उसमें अवैध मादक पदार्थ गांजा भरा हुआ था। मौके पर ही मादक पदार्थ की विधिवत पहचान और तौल कराई गई, जिसमें कुल दो सौ पचास ग्राम गांजा बरामद हुआ। जप्त किए गए इस गांजे की अनुमानित कीमत करीब 850 रुपए आंकी गई है। पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामले को विवेचना में ले लिया है।

समयावधि में सेवाएं न देने वाले सचिवों पर लगेगा 500 रुपये प्रति केस जुर्माना



शहडोल। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने प्रशासनिक कार्यों में कोताही बरतने वाले कर्मचारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत तय समय-सीमा में नागरिकों को सेवाएं न मिलने पर कलेक्टर ने कड़ा रुख अपनाते हुए संबंधित पंचायत सचिवों पर 500 रुपये प्रति केस पैनाल्टी लगाने के स्पष्ट निर्देश दिए हैं। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित जन विश्वास अभियान की समीक्षा बैठक के दौरान कलेक्टर ने कहा कि शिविरों में मिलने वाली शिकायतों, सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों का निराकरण 80 प्रतिशत से कम बिल्कुल नहीं होना चाहिए। ऐसा पाए जाने पर जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ भी कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति, डीएफओ श्रद्धा पेंद्रे, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह व मिनिषा पाण्डेय सहित सोहागपुर, ब्यौहारी और जैतपुर के एसडीएम समेत तमाम प्रमुख विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। प्रशासन के इस कड़े रुख से मैदानी स्तर पर काम करने वाले कर्मचारियों में हडक़ंप मच गया है।

शहडोल में कांग्रेस सेवादल ने लगाया रक्तदान शिविर

शहडोल। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि और देश के पहले गृहमंत्री लौह पुरुष स्व. सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस सेवादल द्वारा स्थानीय जिला अस्पताल में एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी के मार्गदर्शन और सेवादल अध्यक्ष प्रमोद जैन पम्मू के नेतृत्व में दोपहर बारह बजे से शुरू हुआ। शिविर में सेवादल के कार्यकर्ताओं और ब्लॉक अध्यक्षों ने बढ़-चढक़र अपनी सहभागिता निभाई।

शादी के वादे से धमकियों तक पहुंचा मामला

विक्रम सिंह के वीडियो में गोली मारने की धमकी और मोबाइल छीनने का आरोप

आरोपी के भाई-चाचा के ऑडियो-वीडियो भी चर्चा में
45 ऑडियो-वीडियो, 139 चैट और 15 रील होने का दावा
जनपद उपाध्यक्ष के कथित ऑडियो में शिकायत की चुनौती

शहडोल/बुढ़ार। इंस्टाग्राम से शुरू हुई पहचान, शादी का वादा, शारीरिक शोषण, कथित गर्भपात और अश्लील वीडियो के जरिए ब्लैकमेलिंग के आरोपों में गिरफ्तार कनिष्क सिंह उर्फ छोटू का मामला अब नए खुलासों के साथ चर्चा में है। इस प्रकरण में आरोपी के बड़े भाई एवं जनपद पंचायत बुढ़ार के उपाध्यक्ष हर्ष प्रताप सिंह और चाचा विक्रम सिंह की भी एंट्री हो गई है। दोनों से जुड़ी कथित बातचीत के ऑडियो और वीडियो सामने आने के बाद मामला और गंभीर हो गया है। एक तरफ पीड़िता 45 ऑडियो-वीडियो, 139 चैट और 15 रील होने का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ परिजनों पर धमकी देने और शिकायत से पीछे हटने का दबाव बनाने के आरोप लगाए जा रहे हैं।

इंस्टाग्राम से शुरू हुआ रिश्ता, शादी के भरोसे पर शोषण का आरोप

शिकायत के मुताबिक, वर्ष 2023 में इंस्टाग्राम के माध्यम से केशवाही निवासी कनिष्क सिंह और 23 वर्षीय छात्रा की पहचान हुई थी। जनवरी 2024 में दोनों के बीच प्रेम संबंध शुरू हुए। पीड़िता बीएससी और पीजीडीसीए की पढ़ाई कर रही है। उसका आरोप है कि कनिष्क ने शादी का भरोसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। 29 अक्टूबर 2024 को ग्राम कुम्हारी के एक खाली बाड़े में ले जाकर भी शादी का आश्वासन देने का आरोप लगाया गया है। इसके बाद भी शादी का वादा कर संबंध बनाए जाते रहे।

तीन बार गर्भपात और अश्लील वीडियो से ब्लैकमेलिंग का दावा

पीड़िता का आरोप है कि संबंधों के दौरान वह तीन बार गर्भवती हुई और कनिष्क उसे गर्भपात की गोलियां देता था। शादी के बाद बच्चा करने की बात कहकर गर्भपात कराने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में अश्लील वीडियो और फोटो बनाने तथा उन्हें वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने की बात भी कही गई है। पीड़िता के मुताबिक, डिजिटल साक्ष्यों में 45 ऑडियो-वीडियो, 139 चैट और 15 रील शामिल हैं। एक कथित चैट में आरोपी के सेक्स सर्विस देता हूं लिखने का दावा भी सामने आया है। इन साक्ष्यों की प्रामाणिकता की पुष्टि तकनीकी जांच से होना बाकी है।

हर्ष प्रताप सिंह का कथित ऑडियो, शिकायत करने की चुनौती

मामले में आरोपी के बड़े भाई हर्ष प्रताप सिंह का कथित ऑडियो भी चर्चा में है। इसमें वह शिकायतकर्ता से कथित तौर पर कहते सुनाई देते हैं कि जहां भी जाना है चले जाओ, शिकायत कर दो, हमें कोई फर्क नहीं पड़ता। बातचीत में एसपी कार्यालय तक शिकायत करने की बात सामने आने का दावा किया जा रहा है। हर्ष प्रताप सिंह बुढ़ार जनपद पंचायत के उपाध्यक्ष और भाजपा से



जुड़े नेता हैं। पीड़िता ने उन पर पहले भी सामने और मोबाइल पर धमकी देने के आरोप लगाए हैं। वायरल ऑडियो की वास्तविकता और बातचीत का पूरा संदर्भ जांच का विषय है।

विक्रम सिंह का वीडियो, गोली मारने की धमकी और मोबाइल छीनने का आरोप

इस प्रकरण में चाचा विक्रम सिंह से जुड़ा कथित वीडियो भी सामने आया है। वीडियो में विक्रम सिंह पर गोली मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है। बताया जा रहा है कि बातचीत की रिकॉर्डिंग किए जाने के दौरान विक्रम सिंह मोबाइल छीन लेते हैं। इस घटनाक्रम ने मामले में धमकी और दबाव के आरोपों को नया मोड़ दिया है। पीड़िता का दावा है कि उसके पास इस तरह की अन्य रिकॉर्डिंग भी मौजूद हैं, जिन्हें न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है। हालांकि, वीडियो की प्रामाणिकता और घटनाक्रम की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

शादी से इनकार के बाद बढ़ा विवाद, सुरक्षा को लेकर चिंता

शिकायत के मुताबिक, जब परिवार ने दूसरी जगह शादी तय की तो कनिष्क ने शादी करने से इनकार कर दिया। आरोप है कि इसके बाद निजी फोटो और वीडियो वायरल करने की धमकियां दी गईं। परिवार के अन्य लोगों पर भी धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं। पीड़िता ने अपनी और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई है। अब सवाल यह है कि सामने आए कथित ऑडियो-वीडियो की जांच कब होगी और धमकी के आरोपों पर पुलिस क्या कार्रवाई करेगी।

पुलिस ने कनिष्क को गिरफ्तार कर जेल भेजा

शिकायत के बाद महिला थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया था। क्षेत्राधिकार के आधार पर मामला बुढ़ार पुलिस को सौंपा गया। पुलिस ने कनिष्क सिंह उर्फ छोटू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बुढ़ार थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो ने गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एएसपी अभिषेक दीवान के मुताबिक, शादी का झांसा देकर संबंध बनाने, गर्भपात कराने और फोटो वायरल करने की धमकी से संबंधित शिकायत पर बीएनएस की धारा 69 सहित अन्य सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की गई है। अब इस मामले की जांच केवल कनिष्क के खिलाफ लगे आरोपों तक सीमित नहीं रह गई है। हर्ष प्रताप सिंह के कथित ऑडियो और विक्रम सिंह के कथित वीडियो की सत्यता, मोबाइल छीनने के घटनाक्रम तथा धमकी से जुड़े आरोपों की जांच भी महत्वपूर्ण हो गई है। डिजिटल साक्ष्यों की फोरेंसिक जांच और संबंधित पक्षों के बयान ही इस पूरे प्रकरण की वास्तविक तस्वीर स्पष्ट कर सकेंगे।

इनका कहना है...

संभवतः 164 में नाम कुछ लोगों का नाम आया है, जल्द ही आगे कार्यवाही होगी।

खेम सिंह पेन्द्रो
थाना प्रभारी, बुढ़ार

एमपी-छत्तीसगढ़ सीमा पर बसे दूरस्थ ग्राम वनसुकुली में सजा जन विश्वास शिविर

विधायक और कमिश्नर-कलेक्टर की मौजूदगी में ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ ताबड़तोड़ निराकरण



शहडोल। मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे अत्यंत दूरस्थ और पिछड़े अंचल के रूप में पहचाने जाने वाले ग्राम पंचायत वनसुकुली में इन दिनों विकास और सुशासन की बयार बह रही है। शासन की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे अंतिम छोर के व्यक्ति तक पहुंचाने और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान उनके घर के दरवाजे पर करने के उद्देश्य से एक भव्य जन विश्वास शिविर का आयोजन किया गया। इस विशेष शिविर में क्षेत्रीय विधायक, संभाग के शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों और पुलिस मुखिया की एक साथ मौजूदगी ने ग्रामीणों में नया विश्वास और उत्साह भर दिया।

शीर्ष नेतृत्व ने खुद पहुंचकर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

शिविर में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक शरद कोल, शहडोल संभाग की कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता, कलेक्टर पार्थ जायसवाल और पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल ने पारंपरिक रूप से ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। अधिकारियों ने आम जनता की समस्याएं बड़े ही आत्मीय भाव से सुनीं और मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को आवेदनों के प्राथमिकता के आधार पर निराकरण के कड़े निर्देश दिए। विधायक शरद कोल ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की स्पष्ट मंशा है कि दूरदराज के क्षेत्रों में शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाए, ताकि हमारे गरीब ग्रामीणों को छोटे-छोटे कामों के लिए जिला या विकासखंड मुख्यालय के चक्कर न काटने पड़ें। वहीं, कमिश्नर श्रीमती सुरभि गुप्ता ने कहा कि जन विश्वास शिविर प्रशासन और जनता के बीच की दूरियों को मिटाने का एक सशक्त माध्यम है, जहां अधिकारी खुद चलकर जनता की चौखट पर पहुंच रहे हैं। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने प्रशासनिक अमले को कड़े निर्देश दिए कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पूरी संवेदनशीलता बरती जाए ताकि कोई भी पात्र हितग्राही लाभ से वंचित न रहे।

117 में से 76 शिकायतों का मौके पर ही निपटारा

इस शिविर की सबसे बड़ी खूबी इसका त्वरित परिणाम रहा। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों से कुल 117 शिकायतें और आवेदन प्राप्त हुए। प्रशासनिक टीम की मुस्तैदी का नतीजा यह रहा कि इनमें से 76 आवेदनों का मौके पर ही संतुष्टिपूर्वक निराकरण कर दिया गया। ग्रामीणों ने मुख्य रूप से राजस्व विभाग, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, पंचायत कार्यों, राशन की पात्रता पर्ची, प्रधानमंत्री आवास योजना और बिजली से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के सामने रखीं। अधिकांश मामलों का तत्काल समाधान होने से ग्रामीणों के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी।

मौके पर मिले प्रमाण पत्र, लाभान्वित हुए स्व-सहायता समूह

शिविर स्थल पर ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं का सीधा लाभ प्रदान किया गया। शासन की योजनाओं के तहत कई हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति पत्र और स्वरोजगार से जोडऩे के लिए ऋण सहायता की सौगात दी गई। इसके अलावा राजस्व प्रकरणों के निराकरण से जुड़े दस्तावेजों का वितरण भी अतिथियों के हाथों किया गया। ग्रामीणों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शिविर स्थल पर ही विशेष काउंटर लगाए गए थे। जिला मेडिकल बोर्ड द्वारा दिव्यांगजनों के प्रमाण पत्र बनाए गए, वहीं आधार शिविर के माध्यम से नए आधार कार्ड बनाने और लंबित ई-केवाईसी का कार्य भी युद्धस्तर पर पूरा किया गया, जिससे ग्रामीणों को बड़ी राहत मिली।

प्रशासनिक अमले की रही सक्रिय मौजूदगी

इस सफल और जनहितकारी आयोजन को मूर्तरूप देने में जिला और खंड स्तर के अधिकारियों ने पूरी ताकत झोंक दी। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शिवम प्रजापति, जयसिंहनगर एसडीएम सुश्री काजोल सिंह, जनपद पंचायत सीईओ श्रीमती शिवानी जैन, एपीओ अनुराग निगम सहित विभिन्न विभागों के तमाम वरिष्ठ अधिकारी और मैदानी अमला पूरी तरह मुस्तैद नजर आया। दूरस्थ अंचल में लगे इस जन विश्वास शिविर ने यह साबित कर दिया है कि जब प्रशासन और जनप्रनिधि मिलकर जनता के बीच पहुंचते हैं, तो शासन की हर योजना धरातल पर सार्थक रूप ले लेती है। इस पहल से वनसुकुली और आसपास के ग्रामीण इलाकों में खुशी और संतोष का माहौल है।



जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद

कन्या महाविद्यालय की छात्राओं ने किया कोतवाली थाने का भ्रमण

शहडोल। युवाओं और छात्र-छात्राओं में कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा पुलिस व्यवस्था के प्रति उनका दायरा और स्पष्ट करने के उद्देश्य से जिले में विशेष पहल की जा रही है। इसी कड़ी में 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' कार्यक्रम के तहत शासकीय इंदिरा गांधी गृह विज्ञान कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शहडोल की छात्राओं को स्थानीय कोतवाली थाने का शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्राओं ने किताबों से बाहर निकलकर पुलिस विभाग की मैदानी कार्यप्रणाली और कानूनी प्रक्रियाओं को बेहद करीब से समझा।

थाने की कार्यप्रणाली और प्रक्रियाओं से हुईं रूबरू

भ्रमण के दौरान कोतवाली थाने के उप निरीक्षक उपेंद्र त्रिपाठी और रामराज पांडेय ने छात्राओं का स्वागत किया तथा उन्हें थाने के कामकाज की पूरी प्रक्रिया समझाई। अधिकारियों ने छात्राओं को एफआईआर दर्ज करने, विभिन्न शिकायतों के निराकरण, थानों में संचालित होने वाली अलग-अलग शाखाओं के दायित्वों और नागरिकों के सुरक्षा अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी। इस संवादात्मक सत्र के दौरान छात्राओं ने खासी उत्सुकता दिखाई और पुलिस अधिकारियों से कानून व सुरक्षा से जुड़े कई सवाल पूछे। अधिकारियों ने भी बड़े ही सहज और सरल अंदाज में छात्राओं की हर जिज्ञासा का समाधान किया, जिससे पुलिस और जनता के बीच का रिश्ता और अधिक मजबूत नजर आया।

सहयोगी प्राध्यापकों की रही मौजूदगी

इस पूरे शैक्षणिक एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल समन्वय नोडल अधिकारी आई.बी. सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान छात्राओं का मार्गदर्शन करने और उनके साथ मुस्तैद रहने के लिए महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. प्रमिला वास्केल, डॉ. प्रियंका माको और श्रीमती प्रियंका पांडेय भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस तरह के आयोजनों से न केवल छात्राओं में विधिक साक्षरता बढ़ती है, बल्कि समाज सुरक्षा को लेकर उनका आत्मविश्वास भी मजबूत होता है।

कोटमा गांव में जुआ फड़ पर छापा

60 हजार नकदी, 5 बाइक और 10 मोबाइल जब्त

शहडोल। जिले में अवैध गतिविधियों और जुए-सट्टे के कारोबार पर लगाम कसने के लिए सोहागपुर थाना पुलिस ने एक बड़ी और सफल कार्रवाई को अंजाम दिया है। थाना प्रभारी संजय जायसवाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर ग्राम कोटमा में चल रहे एक बड़े जुआ फड़ पर अचानक छापा मारा। पुलिस की इस ताबड़तोड़ कार्रवाई से जुआरियों में हडक़ंप मच गया। पुलिस ने मौके से घेराबंदी कर कुल 11 जुआरियों को रंगे हाथों धर दबोचा। पकड़े गए आरोपियों में मुकेश जसवानी, अयूब खान, कपिल चौधरी, आनंद पांडे, विकास कुमार सोनी, अरमान खान, दीपक चौधरी, सागर कुमार, प्रदीप कुमार, प्रिंस कुमार गुप्ता और संजय गुप्ता शामिल हैं। मौके की तलाशी के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 60 हजार रुपये नकद बरामद किए हैं। इसके अलावा जुआरियों के इस्तेमाल में लाई जा रही 5 मोटरसाइकिलें और 10 महंगे मोबाइल फोन भी जब्त किए गए हैं। इस प्रकार पुलिस ने लाखों रुपए का मशरूका बरामद किया है। सोहागपुर पुलिस की इस त्वरित और सख्त कार्रवाई से क्षेत्र के अवैध कारोबारियों में खौफ का माहौल है। आम नागरिकों ने पुलिस की इस मुस्तैदी की सराहना की है। पुलिस का कहना है कि जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने और अपराधों पर अंकुश लगाने के लिए इस तरह के अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।





गोरतरा गांव में मिला खैर की अवैध लकड़ियों का जखीरा



शहडोल। जिले में वन संपदा की अवैध कटाई और तस्करी के खिलाफ वन विभाग ने एक बड़ी और ताबड़तोड़ कार्रवाई को अंजाम दिया है। विभाग ने मुखबिर की सटीक सूचना के आधार पर एक आरोपी के घर और बाड़ी पर छापा मारकर भारी मात्रा में खैर की बेशकीमती लकड़ियां, पेट्रोल चालित चैन सॉ मशीन और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। हालांकि, इस पूरी कार्रवाई के बीच स्थानीय स्तर पर एक बड़े सवाल ने जन्म ले लिया है, क्या वन विभाग ने सिर्फ छोटे मोहरे पर शिकंजा कसा है या इस अवैध काले कारोबार के असली सरगना तक भी हाथ पहुंचेंगे? वन संरक्षक वन वृत्त शहडोल महेंद्र प्रताप सिंह (भा.व.से.) के निर्देशन वनमंडलाधिकारी दक्षिण शहडोल श्रद्धा पन्द्रे (भा.व.से.) तथा उप वनमंडलाधिकारी सोहागपुर संतोष कुमार शुक्ला के कुशल मार्गदर्शन में यह पूरी कार्रवाई की गई। 29 अक्टूबर को वन विभाग को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि सोहागपुर उप वनमंडल के अंतर्गत गैरकानूनी गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। इस सूचना को गंभीरता से लेते हुए उप वनमंडलाधिकारी सोहागपुर के निर्देशानुसार सर्च वारंट क्रमांक-09 जारी किया गया। इसी वारंट के आधार पर टीम ने ग्राम गोरतरा निवासी जय विश्वकर्मा पिता बग्घू विश्वकर्मा के घर और उसकी बाड़ी की सघन तलाशी ली।जब वन विभाग की टीम ने जय विश्वकर्मा के घर के पीछे स्थित बाड़ी की तलाशी ली, तो वहां का नजारा देखकर अधिकारी भी दंग रह गए। बाड़ी में बड़े पैमाने पर खैर प्रजाति की लकड़ियों का अवैध भंडारण किया गया था। मौके पर पहुंची टीम ने जब लकड़ियों की पैमाइश की, तो अलग-अलग आकारों के कुल 70 नग बरामद हुए, जिनका कुल आयतन 0.05 घन मीटर (लगभग 5 घन मीटर) पाया गया। तलाशी के दौरान केवल लकड़ियां ही नहीं मिलीं, बल्कि जंगल की अवैध कटाई में इस्तेमाल होने वाली आधुनिक सामग्रियां भी हाथ लगीं। विभाग ने मौके से एक पेट्रोल चालित चैन सॉ (चेन सॉ) मशीन, दो कुल्हाड़ियां और एक इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटा भी जब्त किया है। इन तमाम जप्तशुदा सामग्रियों को तत्काल प्रभाव से कब्जे में लेकर काष्ठागार नरसरहा डिपो, शहडोल पहुंचाया गया। इस मामले में वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वन अपराध प्रकरण क्रमांक 33/02 (दिनांक 29.10.2026) पंजीबद्ध कर लिया है और आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

शहडोल में शिक्षा का मंदिर बदहाल

लखेरनटोला कन्या स्कूल के खेल मैदान पर भू-माफिया का कब्जा प्रशासन की चुप्पी पर उठ रहे सवाल

शहडोल।

जिले के बुढ़ार विकासखंड अंतर्गत आने वाले शासकीय कन्या माध्यमिक विद्यालय, लखेरनटोला में शिक्षा व्यवस्था और स्थानीय प्रशासन की उदासीनता की एक ऐसी तस्वीर सामने आई है, जो सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करती है। स्कूल के नाम पर दर्ज करोड़ों की बेशकीमती जमीन पर भू-माफियाओं और अतिक्रमणकारियों ने इस कदर कब्जा जमा लिया है कि अब मासूम छात्राओं के खेलने के लिए एक इंच जमीन भी नहीं बची है। खेल मैदान से लेकर स्कूल परिसर तक दबंगों का राज चल रहा है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी गहरी नींद में सोए हुए हैं।







कागज पर है जमीन, धरातल पर सिर्फ अवैध कब्जे

राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, इस कन्या विद्यालय के पास कुल 1 एकड़ 68 डिसमिल जमीन उपलब्ध है, लेकिन मैदानी हकीकत इसके बिल्कुल विपरीत है। विद्यालय की इस बहुमूल्य भूमि पर शातिर अतिक्रमणकारियों ने बड़ी-बड़ी पक्की इमारतें तान दी हैं और नगर परिषद की योजनाओं के तहत यहां तक निर्माण करवा लिए गए हैं। हद तो तब हो गई जब स्कूल के खेल मैदान के ठीक बीचों-बीच से एक पक्की सडक़ निकाल दी गई। इस रास्ते से दिनभर भारी-भरकम वाहनों और आम यातायात का आना-जाना लगा रहता है। मैदान के बीच से गुजरने वाली यह सडक़ पढ़ती हुई मासूम बच्चियों की सुरक्षा के लिए हर पल एक बड़ा खतरा बनी हुई है।

छात्राओं के जीवन पर मंडराता खतरा

विद्यालय परिसर के चारों तरफ बाउंड्रीवाल न होने के कारण यह पूरी तरह असुरक्षित हो चुका है। स्कूल के ठीक बगल में स्थित तालाब और खुले रास्तों से असामाजिक तत्वों का विद्यालय परिसर में बेरोक-टोक आना-जाना लगा रहता है। शिक्षकों और अभिभावकों का आरोप है कि दबंगों द्वारा अक्सर छात्राओं के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। शिक्षकों ने इस बाबत कई बार लिखित शिकायतें भी दर्ज कराई हैं, लेकिन शिक्षा विभाग के नुमाइंदों की चुप्पी और सुस्त रवैये के कारण हालात जस के तस बने हुए हैं।

वोट बैंक की राजनीति और जनप्रतिनिधियों की शह

स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों का कहना है कि यह पूरा मामला केवल अतिक्रमण का नहीं, बल्कि राजनीतिक संरक्षण का परिणाम है। आरोप है कि बीते कुछ वर्षों में स्थानीय स्तर पर रोटियां सेकने वाले कुछ पार्षदों और जनप्रतिनिधियों ने वोट बैंक की खातिर विद्यालय की भूमि को भू-माफियाओं के हवाले कर दिया। स्कूल की जमीन पर नियमविरुद्ध तरीके से निर्माण कार्य कराए गए और सफेदपोशों के रसूख के चलते शिक्षकों की आपत्तियों को हमेशा ठंडे बस्ते में डाल दिया गया।

अगस्त 2026 की जांच रिपोर्ट फाइलों में कैद

प्रशासनिक लापरवाही का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अगस्त 2026 में तहसीलदार, विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ), पटवारी और नगर परिषद के अमले ने संयुक्त रूप से मौके पर पहुंचकर स्कूल की जमीन की पैमाइश की थी। इस दौरान अवैध कब्जों की पुष्टि करते हुए जांच रिपोर्ट भी तैयार की गई थी। लेकिन हैरानी की बात यह है कि पैमाइश होने और अवैध कब्जे साबित होने के बावजूद आज तक कोई ठोस प्रशासनिक कार्रवाई या बुलडोजर एक्शन नहीं हुआ, जिससे स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है।

कलेक्टर और कमिश्नर से न्याय की आस

मामले की गंभीरता को देखते हुए अब अभिभावकों और स्थानीय नागरिकों की निगाहें जिला कलेक्टर पार्थ जायसवाल और शहडोल संभाग के कमिश्नर पर टिकी हैं। लोगों ने मांग की है कि प्रशासन तत्काल प्रभाव से इस मामले का संज्ञान ले। स्कूल की भूमि को भू-माफियाओं के चंगुल से मुक्त कराकर अविलंब बाउंड्रीवाल का निर्माण कराया जाए, ताकि छात्राओं की सुरक्षा और भविष्य सुरक्षित हो सके। यदि जिला प्रशासन ने जल्द ही इन अवैध कब्जों पर बुलडोजर नहीं चलाया, तो अभिभावकों और छात्राओं ने न्याय के लिए सडक़ों पर उतरकर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

शहडोल के मैदान पर गरजी यूआईटी आरजीपीवी की टीम

रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज को 5-2 से रौंदकर फुटबॉल प्रतियोगिता पर जमाया कब्जा

शहडोल। जिले के खेल प्रेमियों के लिए शुक्रवार का दिन गौरव और रोमांच से भरा रहा। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल के तत्वावधान में आयोजित रीवा नोडल स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता में मेजबान यूआईटी आरजीपीवी शहडोल के खिलाड़ियों ने अपने जादुई खेल और आक्रामक प्रदर्शन से मैदान पर ऐसा जलवा बिखेरा कि रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज की टीम देखते ही रह गई। रोमांचक मुकाबले में शहडोल की टीम ने शानदार और दर्शनीय खेल दिखाते हुए रीवा को 5-2 के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी।



शुरुआती झटके से उबरकर की धमाकेदार वापसी

मैच की शुरुआत में रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के खिलाड़ियों ने आक्रामक तेवर दिखाते हुए मुकाबले के पहले ही मिनट में गोल दागकर बढ़त बना ली। इस शुरुआती झटके से एक पल के लिए मेजबान टीम पर दबाव जरूर दिखा, लेकिन शहडोल के धुरंधरों ने अपना मानसिक संतुलन नहीं खोया। खिलाड़ी पूरी एकजुटता और बेहतरीन तालमेल के साथ मैदान पर डटे रहे और खेल के पहले हाफ का खेल खत्म होने तक स्कोर को 2-2 की बराबरी पर ला खड़ा किया। दोनों टीमों के बीच यह कांटे की टक्कर दर्शकों के रोमांच को सातवें आसमान पर ले जाने के लिए काफी थी।

दूसरे हाफ में छाया शहडोल का दबदबा

विराम के बाद जब खेल का दूसरा हाफ शुरू हुआ, तो यूआईटी आरजीपीवी शहडोल के खिलाड़ियों ने रणनीतिक खेल और ताबड़तोड़ हमलों की ऐसी आंधी चलाई कि रीवा की पूरी रक्षा पंक्ति बिखर गई। शहडोल के खिलाड़ियों ने एक के बाद एक लगातार तीन बेहतरीन गोल दागे और स्कोर को 5-2 तक पहुंचाकर मुकाबले को पूरी तरह अपने नाम कर लिया। मैदान पर खिलाड़ियों का स्टैमिना, पासिंग गेम और गोल करने की ललक देखते ही बनती थी।

खिलाड़ियों के व्यक्तिगत प्रदर्शन ने बटोरी वाहवाही

कड़े मुकाबले में उत्कृष्ट और यादगार खेल प्रदर्शन के लिए शहडोल के खिलाड़ियों को व्यक्तिगत पुरस्कारों से नवाजा गया। मेजबान टीम के शिव तिवारी को सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर, गीतांशु वरदे को सर्वश्रेष्ठ रक्षक (डिफेंडर) तथा हिमांशु शर्मा को प्रतियोगिता का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वहीं, रीवा इंजीनियरिंग कॉलेज के अनम रावत को उनके आक्रामक खेल के लिए सर्वश्रेष्ठ आक्रामक खिलाड़ी (स्ट्राइकर) का पुरस्कार प्रदान किया गया।

अतिथियों की मौजूदगी और निर्णायकों की निष्पक्ष भूमिका

सफल और अनुशासित प्रतियोगिता के संचालन में जिला फुटबॉल संघ के निर्णायक मंडल ने सराहनीय भूमिका निभाई, जिसमें शंकर दहिया, राहुल माझी, रजनी सिंह और यशोधा सिंह शामिल रहे। इस गरिमामयी आयोजन में शिक्षा विभाग के सहायक संचालक रहीश खान और जिला बास्केटबॉल संघ के के.के. श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। अतिथियों ने खिलाड़ियों की पीठ थपथपाते हुए उन्हें खेल भावना के साथ आगे बढऩे और देश-प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में खेल प्रभारी बिपिन सिंह ने सभी अतिथियों, निर्णायकों, आयोजन समिति के सदस्यों और खिलाड़ियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस शानदार जीत से पूरे महाविद्यालय परिसर में जश्न का माहौल है और छात्र-छात्राओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है।

सड़क पर तड़पती गौ माता के लिए देवदूत बने पार्षद पवन चीनी

निजी वाहन से पहुंचाया गौ सेवा आश्रम

जनसेवा के साथ बेजुबान जीवों की सेवा में भी आगे आए पवन कुमार चीनी

धनपुरी में राम दुबे का गौ सेवा अभियान बना बेसहारा गोवंश का सहारा



अमलाई/धनपुरी। मानवता और संवेदनशीलता की पहचान केवल जरूरतमंद इंसानों की मदद करने से नहीं, बल्कि उन बेजुबान जीवों की पीड़ा समझने से भी होती है, जो अपनी तकलीफ किसी से बयां नहीं कर सकते। इसी सेवा भाव और करुणा की प्रेरणादायक मिसाल नगर परिषद बरगवां-अमलाई के वार्ड क्रमांक 07 के पार्षद एवं समाजसेवी पवन कुमार चीनी ने पेश की। सडक़ पर घायल अवस्था में पड़ी गौ माता को देखकर उनका दिल पसीज गया। उन्होंने बिना देर किए अपने निजी वाहन से घायल गौ माता को धनपुरी स्थित गौ सेवा आश्रम पहुंचाया, जहां उसकी देखभाल और उपचार की व्यवस्था की गई।

इंदिरा नगर के पास घायल अवस्था में पड़ी थी गौ माता

जानकारी के अनुसार, 27 अक्टूबर की रात करीब 9 बजे अमलाई के इंदिरा नगर के समीप मुख्य मार्ग पर एक गौ माता घायल अवस्था में पड़ी हुई थी। सडक़ पर असहाय हालत में पड़ी गौ माता को देखकर पार्षद पवन चीनी तत्काल मदद के लिए आगे आए। उन्होंने परिस्थिति की गंभीरता को समझते हुए समय गंवाने के बजाय घायल पशु को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने का निर्णय लिया। पवन चीनी ने अपने निजी वाहन से गौ माता को धनपुरी स्थित गौ सेवा आश्रम पहुंचाया। उनका यह कदम इस बात का उदाहरण है कि सच्ची जनसेवा केवल पद और प्रतिष्ठा तक सीमित नहीं होती, बल्कि जरूरत के समय किसी असहाय की मदद के लिए आगे आने में दिखाई देती है। सडक़ पर घायल पशुओं को देखकर अनदेखा कर देने के बजाय उनकी सहायता करना समाज के प्रत्येक नागरिक की मानवीय जिम्मेदारी है।

जनसेवा के साथ बेजुबानों के प्रति भी संवेदनशील हैं पवन चीनी

पार्षद पवन कुमार चीनी क्षेत्र में जनसेवा और जरूरतमंदों की सहायता के लिए सक्रिय रहते हैं। घायल गौ माता को अपने निजी वाहन से आश्रम पहुंचाने की पहल ने उनके सेवा भाव का एक और पक्ष सामने रखा है। उन्होंने यह संदेश दिया कि बेजुबान जीव भी समाज का हिस्सा हैं और उनकी पीड़ा को समझना तथा संकट के समय उनकी सहायता करना भी सामाजिक जिम्मेदारी है। उनकी इस पहल से यह प्रेरणा मिलती है कि यदि कोई व्यक्ति घायल पशु को सडक़ पर असहाय अवस्था में देखता है, तो उसे नजरअंदाज करने के बजाय स्थानीय पशु चिकित्सा सेवा अथवा गौ सेवा संस्था की मदद लेनी चाहिए, ताकि समय रहते उपचार और सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जा सके।

बेसहारा गोवंश की देखभाल में जुटी संस्था

धनपुरी में श्री अटल कामधेनु गौ सेवा संस्थान के अध्यक्ष एवं संस्थापक राम दुबे लंबे समय से बेसहारा, घायल और बीमार गोवंश की सेवा के लिए प्रयासरत हैं। सडक़ दुर्घटनाओं में घायल होने वाले तथा बीमार और असहाय अवस्था में मिलने वाले गोवंश को सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराने के साथ उनकी देखभाल, चारे-पानी और उपचार की व्यवस्था करना गौ सेवा के महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल है। राम दुबे के नेतृत्व में संस्थान बेसहारा गोवंश को सहारा देने का प्रयास कर रहा है। घायल और बीमार पशुओं की सेवा करना आसान कार्य नहीं है। इसके लिए समय, संसाधन, मेहनत और निरंतर समर्पण की आवश्यकता होती है। ऐसे में गौ सेवा के लिए आगे आने वाले लोगों और संस्थाओं का सहयोग बेजुबान जीवों के लिए महत्वपूर्ण साबित होता है।

पवन चीनी की तत्परता और राम दुबे की सेवा भावना बनी मिसाल

घायल गौ माता को सडक़ से उठाकर सुरक्षित आश्रय तक पहुंचाने में पवन कुमार चीनी की तत्परता और गौ सेवा आश्रम में उसकी देखभाल की व्यवस्था, सेवा के दो महत्वपूर्ण पहलुओं को सामने लाती है। संकट के समय घायल पशु को सुरक्षित स्थान तक पहुंचाना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी उसके उपचार और देखभाल की व्यवस्था करना भी है। पवन चीनी की पहल और राम दुबे के नेतृत्व में गौ सेवा संस्थान के प्रयास समाज को यह संदेश देते हैं कि सामूहिक संवेदनशीलता से बेजुबान जीवों की मदद की जा सकती है। जब जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और गौ सेवक मिलकर आगे आते हैं, तो घायल और बेसहारा गोवंश को नया सहारा मिल सकता है।

गौ सेवा केवल भावना नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी भी

यह घटना समाज के सामने एक महत्वपूर्ण संदेश रखती है कि इंसानियत की असली पहचान उसके कार्यों से होती है। सडक़ पर घायल पशु को देखकर उसकी अनदेखी करने के बजाय मदद के लिए आगे आना संवेदनशील समाज की पहचान है। पार्षद पवन कुमार चीनी द्वारा घायल गौ माता को निजी वाहन से धनपुरी स्थित गौ सेवा आश्रम पहुंचाना और राम दुबे के नेतृत्व में संस्थान द्वारा गौ सेवा के लिए किए जा रहे

कोतमा के मुख्य मार्ग पर पार्किंग की अनदेखी से हर दिन लग रहा भारी जाम, राहगीर परेशान



हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के स्टेट बैंक, ग्रामीण बैंक, पोस्ट ऑफिस और सेंट्रल बैंक में आने वाले ग्राहकों के लिए वाहन खड़ा करने की कोई सुव्यवस्थित पार्किंग व्यवस्था नहीं है। इसके चलते प्रतिदिन सुबह 11 बजते ही बैंकों के सामने मुख्य सड़क पर बेतरतीब ढंग से खड़े होने वाले सैकड़ों दोपहिया और चारपहिया वाहनों के कारण आवागमन बाधित हो जाता है। सड़क का एक बड़ा हिस्सा वाहनों से घिर जाने के कारण हर घंटे जाम की स्थिति बन रही है। सड़क के दोनों ओर अव्यवस्थित तरीके से पार्क किए गए वाहनों से मार्ग संकरा हो जाता है। इस वजह से घंटों लगने वाले जाम में एम्बुलेंस, स्कूली वाहन और आम राहगीर फंसे रहते हैं। आपातकालीन सेवाओं और स्कूल आने-जाने वाले बच्चों को इससे रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों और व्यापारियों का कहना है कि बैंक प्रबंधन द्वारा पार्किंग के लिए कोई ठोस इंतजाम नहीं किए गए हैं। वहीं, पुलिस और स्थानीय प्रशासन द्वारा भी इस ओर कोई सख्त रुख नहीं अपनाया जा रहा है। प्रशासनिक अनदेखी के कारण यह समस्या दिन-ब-दिन विकराल रूप लेती जा रही है। क्षेत्रीय नागरिकों व व्यापारियों ने स्थानीय प्रशासन से मांग की है कि बैंकों के सामने नो-पार्किंग व्यवस्था लागू की जाए और बेतरतीब वाहन खड़े करने वालों पर विशेष अभियान चलाकर सख्त चालानी कार्रवाई की जाए, ताकि मुख्य मार्ग को जाम से मुक्ति मिल सके।

चचाई बाजार में टला बड़ा हादसा, गिरा विशालकाय सेमर का पेड़, तीन दुकानें क्षतिग्रस्त



हरिभूमि न्यूज चचाई। औद्योगिक नगरी के चचाई बाजार क्षेत्र में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब बैंक ऑफ़ बड़ौदा के पास खड़ा एक विशालकाय सेमर का पेड़ अचानक दो हिस्सों में टूटकर दुकानों पर जा गिरा। गनीमत यह रही कि दोपहर के समय बाजार में भीड़भाड़ कम थी, जिससे एक बहुत बड़ी जनहानि टल गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पुराना पेड़ वर्षों से आधा सूखा और आधा हरा था। लगातार दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के चलते दोपहर करीब 3 बजे पेड़ का आधा हिस्सा अचानक दो दिशाओं में आ गिरा। इसकी चपेट में आने से विक्ती जनरल स्टोर, संदीप किराना स्टोर और लखेरा ऑनलाइन सेंटर की दुकानों को भारी नुकसान पहुँचा है। पेड़ गिरने से इलाके के बिजली के पोल, तार और केबल भी पूरी तरह टूट गए, जिससे बाजार की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। स्थानीय व्यापारियों का आरोप है कि बैंक ऑफ़ बड़ौदा के पास खड़े ये दोनों सेमर के पेड़ लंबे समय से खतरे का सबब बने हुए थे। आसपास बिजली के खंभे और दुकानें होने के कारण व्यापारियों के लिए इन्हें हटाना मुमकिन नहीं था। वहीं, आरोप है कि ताप विद्युत गृह (मंडल प्रबंधन) का रवैया हमेशा से उदासीन रहा है, वे बाजार क्षेत्र में दुकानों के मेंटेनेंस पर रोक लगाते रहे हैं और सिर्फ नोटिस बांटने का काम किया है, लेकिन खतरनाक पेड़ों को हटाने में कोई सहयोग नहीं किया। घटना के बाद जब मंडल प्रबंधन की तरफ से कोई मदद नहीं पहुँची, तब ग्रामीण मंडल अध्यक्ष सत्यनारायण (फुक्कू सोनी) और स्थानीय व्यापारियों ने आत्मीयता और सूझबूझ का परिचय दिया। सभी ने व्यक्तिगत सहयोग कर हैवी क्रेन मशीनों को बुलवाया और घंटों की मशक्कत के बाद गिरे हुए पेड़ को दुकानों के ऊपर से हटवाया। पेड़ का आधा हिस्सा जो अभी भी खड़ा है और कभी भी दुर्घटना का कारण बन सकता है, उसे भी गिराने की तैयारी शुरू कर दी गई है। फुक्कू सोनी और स्थानीय व्यापारी निर्माणाधीन पावर प्लांट की कंपनियों के सहयोग से जल्द ही क्रेन की व्यवस्था कर शेष बचे हिस्से को भी हटवाने में जुटे हैं, ताकि बाजार में आने वाले आम नागरिकों और दुकानदारों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

रामनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 62 हजार रुपए के अवैध गांजे के साथ तस्कर गिरफ्तार



हरिभूमि न्यूज राजनगर। थाना रामनगर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुखबिर की सटीक सूचना पर कार्रवाई करते हुए 1.260 किलोग्राम अवैध गांजे के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जब्त किए गए गांजे की अनुमानित कीमत करीब 62,000 रुपए आंकी गई है। थाना रामनगर पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति नीले रंग के बैग में अवैध मादक पदार्थ लेकर फूलसाय दफाई, पौराधार की ओर आ रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और स्वतंत्र साक्षियों को साथ लेकर विसर्जन कुंड के पास फूलसाय दफाई, पौराधार क्षेत्र में घेराबंदी कर दी। कुछ देर बाद मुखबिर के बताए हुलिए के अनुसार एक व्यक्ति नीले रंग का बैग लिए हुए आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए उसे चारों तरफ से घेरकर दबोच लिया। पकड़े गए व्यक्ति से पूछताछ करने पर उसने अपना नाम होरीदास चौधरी (पिता स्व. बरनू चौधरी, निवासी- ग्राम छलकाटोला, थाना रामनगर, जिला अनूपपुर) बताया। जब उसके पास मौजूद नीले रंग के बैग की विधिवत तलाशी ली गई, तो उसके भीतर सफेद पॉलीथिन में गांजा भरा हुआ मिला। मौके पर ही इलेक्ट्रॉनिक तराजू मंगाकर तौल की गई, जिसमें गांजे का कुल वजन 1.260 किलोग्राम पाया गया। पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के तहत अवैध गांजे को विधिवत जप्त कर लिया है और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। थाना रामनगर में आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 299/2026, धारा 8/20 (बी) एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर आगे की विवेचना शुरू कर दी गई है। इस पूरी कार्रवाई को अंजाम देने में थाना प्रभारी, सउनि रामप्रसाद प्रजापति, प्रधान आरक्षक अमित पटेल, राहुल प्रजापति, सनत द्विवेदी, सीमा तिवारी, तथा आरक्षक अनुराग सिंह, अनुराग भार्गव एवं संपूर्ण पुलिस स्टाफ की सराहनीय और महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अपनों पर सहायक सचिव पर पद के दुरुपयोग की शिकायत

सकोला में भाई, चाचा और बुआ के नाम आवास स्वीकृत कराने का आरोप

सीएम हेल्पलाइन में पहुंची शिकायत, जांच की मांग



हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। प्रधानमंत्री आवास योजना में कथित अनियमितता का मामला सामने आया है ग्राम पंचायत सकोला के सहायक सचिव रमेश विश्वकर्मा पर अपने पद का दुरुपयोग करते हुए अपने ही परिवार के सदस्यों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने का आरोप लगाया गया है इस संबंध में ग्राम निवासी बृजभान सिंह ने सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराते हुए मामले की जांच और कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार, सहायक सचिव द्वारा अपने सगे भाई, चाचा और बुआ के नाम पर प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराए गए हैं। जैसे रामकरण विश्वकर्मा पिता तुलाराम विश्वकर्मा, जो सहायक सचिव के सगे चाचा हैं के नाम पर आवास स्वीकृत किया गया, जबकि उनका पहले से पक्का मकान बना हुआ है। इसी तरह सुरेश विश्वकर्मा पिता रामरतन विश्वकर्मा, जिन्हें शिकायत में सहायक सचिव का सगा भाई बताया गया है, के नाम पर भी आवास स्वीकृत कराने का आरोप है। वहीं बुआ कलावती के नाम पर भी प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत होने की बात शिकायत में कही गई है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि संबंधित हितग्राहियों के नाम पर आवास की राशि जारी हो चुकी है, लेकिन कुछ मामलों में निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ है कलावती के नाम पर स्वीकृत आवास का काम शुरू नहीं होने और राशि निकलने की बात भी शिकायत में उठाई गई है वहीं रामकरण विश्वकर्मा के नाम पर पहले से पक्का मकान होने के बावजूद आवास स्वीकृत किए जाने पर सवाल खड़े किए गए हैं। शिकायतकर्ता बृजभान सिंह ने प्रशासन से मांग की है कि संबंधित आवासों की स्वीकृति, हितग्राही पात्रता, जियो टैगिंग, जारी की गई राशि और निर्माण कार्यों की निष्पक्ष जांच कराई जाए यदि नियमों के विरुद्ध अपात्र लोगों को लाभ दिया गया है तो संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए तथा गलत तरीके से जारी राशि की वसूली की जाए। फिलहाल यह मामला शिकायत के आधार पर सामने आया है अब देखना होगा कि जनपद पंचायत एवं जिला प्रशासन इस शिकायत को कितनी गंभीरता से लेते हैं और जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं।

वार्ड क्रमांक 4 बिजली ऑफिस रोड में शराब की बिक्री का मामला चर्चा में, रहवासियों की बढ़ी चिंता

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के वार्ड क्रमांक 4 स्थित बिजली ऑफिस रोड में शराब की बिक्री को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज हो गई है। क्षेत्र में शराब की बिक्री होने की शिकायतों के बीच रहवासियों में चिंता का माहौल बताया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इस गतिविधि पर समय रहते ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले दिनों में क्षेत्र की शांति एवं सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। रहवासियों के अनुसार बिजली ऑफिस रोड एक आवागमन वाला क्षेत्र है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना होता है। ऐसे में यदि सार्वजनिक स्थानों के आसपास शराब की बिक्री या सेवन की गतिविधियां संचालित हो रही हैं, तो इससे आम नागरिकों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं युवाओं को असुविधा का सामना करना पड़ सकता है।

खबर संक्षेप

पिछले साल की तुलना में इस साल 19.2 फीसदी कम वर्षा

कटनी। जिले में 1 जून से 29 अक्टूबर तक कुल 943.3 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। विदित हो कि पिछले आलोच्य अवधि के दौरान जिले में 1166.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई। इस अवधि के दौरान रीठी तहसील में रिकार्ड 1483.4 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जबकि इस वर्ष जिले में इस अवधि के दौरान सबसे अधिक औसत वर्षा तहसील स्लीमनाबाद में दर्ज की गई है, जहाँ अब तक 1181.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गयी है। कटनी तहसील में 872 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। तहसील रीठी में 1121.9 मिमी, बड़वारा तहसील में 732.9 मिमी बरही तहसील में 783 मिलीमीटर और विजयराघवगढ़ तहसील में 1005.9 मिलीमीटर, बहोरीबंद तहसील में कुल 855.8 मिलीमीटर एवं स्लीमनाबाद तहसील में 1181.4 मिलीमीटर तथा ढीमरखेड़ा तहसील में 989.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।

राज्य स्तरीय मोगली उत्सव में आकाश का हुआ चयन

बरही। लोक शिक्षण संचालनालय म.प्र. भोपाल द्वारा करेला के शासकीय संदीपनी विद्यालय के प्रतिभागी छात्र आकाश दुबे पिता राकेश दुबे कक्षा 12वीं का राज्य स्तरीय मोगली बाल उत्सव 2026के आयोजन चयनित हुआ यह तीन दिवसीय आयोजन 2नवंबर से 4नवंबर 2026 तक पेंच आभयरण सिवनी में आयोजित होना है कटनी जिले के सहभागिता छात्र भाग लेंगे। प्राचार्य आर के शुक्ला, शिक्षक अमित सोनी के प्रोत्साहन एवं सहयोग से संस्कृति गतिविधियों प्रतियोगिता में भाग लेते हैं। छात्र के उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों की दी जानकारी

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बुधवार को तहसील न्यायालय ढीमरखेड़ा परिसर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायाधीश श्रीमती पूर्वी तिवारी ने उपस्थित पक्षकारों को सामाजिक न्याय से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। शिविर का उद्देश्य आमजन को सामाजिक न्याय से जुड़े प्रावधानों के प्रति जागरूक करना तथा विधिक अधिकारों और न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान उपस्थित पक्षकारों को संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें। कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश प्रयासी, अटल बिहारी बाजपेयी सहित न्यायालयीन स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

सतर्कता सेमिनार में पारदर्शिता और जवाबदेही पर दिया गया जोर

कटनी। कटनी स्टेशन पर सतर्कता जागरूकता के तहत एक 'सतर्कता सेमिनार' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में रेलवे के विभिन्न विभागों के पर्यवेक्षकों और रेल कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सेमिनार के दौरान दैनिक रेल संचालन एवं प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता, सतर्कता और जवाबदेही बढ़ाने के विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित अधिकारियों एवं वक्ताओं ने इस बात पर विशेष बल दिया कि निष्ठा और सतर्कता के साथ कार्य करने से न केवल रेल सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होता है, बल्कि यात्रियों का रेलवे के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ होता है।

किसान सम्मान निधि की राशि होगी अंतरित

कटनी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के बनासकांठा से आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों के खातों में 24वीं किस्त की राशि अंतरित करेंगे। इस अवसर पर प्रदेशभर में पीएम किसान उत्सव दिवस मनाया जाएगा। कलेक्टर आशीष तिवारी ने अधिकारियों को जिला, ब्लॉक और ग्राम पंचायत स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने तथा अधिक से अधिक किसानों की सहभागिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण संपन्न

चन्नौड़ी में प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के अंतर्गत आयोजित हुआ प्रशिक्षण

चन्नौड़ी।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में जिला समन्वयक श्री विवेक पांडेय के उपस्थिति पर प्रस्फुटन शक्ति संचय अभियान के अंतर्गत सेक्टर क्रमांक 5, ग्राम चन्नौड़ी में प्रस्फुटन समितियों का क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की कार्यक्षमता बढ़ाना तथा सामाजिक और सामुदायिक विकास के कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना रहा।प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेक्टर क्रमांक 5 के अंतर्गत आने वाली प्रस्फुटन समितियों बैरिहा, सेमरिहा, भमला, नेमुहा एवं शाहपुर के अध्यक्ष, सचिव और सदस्य उपस्थित रहे। अनुभवी प्रशिक्षक श्री आनंद यादव ने उपस्थित सदस्यों एवं नवांकुर सखियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान समितियों की भूमिका, संगठनात्मक क्षमता के विकास तथा समाजहित में सक्रिय सहभागिता जैसे विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया।कार्यक्रम में ग्राम चन्नौड़ी के उपसरपंच सत्येंद्र प्रताप सिंह, श्री बजरंग ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष मोहम्मद हनीफ, सचिव सुरेश मिश्रा, अभिलाष चतुर्वेदी, नागेश्वर सिंह, अखिलेश सिंह, कैलाश गुप्ता, रूही बेगम,घनश्याम सिंह, कमलेश सिंह और मेनिका बैगा सहित समिति के सदस्य तथा नवांकुर सखी उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में क्षमता वर्धन प्रशिक्षण में सहभागिता करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक संगठनों को सशक्त बनाकर जनभागीदारी के माध्यम से विकास कार्यों को गति प्रदान करना रहा।



नवागत एसडीओपी ललित गठरे से युवा टीम उमरिया ने की सौजन्य भेंट

जनहित एवं सामाजिक सरोकारों पर हुई सार्थक चर्चा

बिरसिहपुर पाली उमरिया: उमरिया पुलिस के नवागत पाली एसडीओपी ललित गठरे से युवा टीम उमरिया मप्र के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस दौरान क्षेत्र के विकास, जनहित, सामाजिक सरोकारों एवं युवाओं की सकारात्मक सहभागिता से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर सार्थक चर्चा हुई।मुलाकात के दौरान सामाजिक जागरूकता, कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा तथा पुलिस एवं आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने जैसे विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। साथ ही समाज में सकारात्मक वातावरण निर्माण और युवाओं को रचनात्मक एवं सामाजिक गतिविधियों से जोड़ने की आवश्यकता पर भी चर्चा की गई।इस अवसर पर युवा टीम उमरिया द्वारा जिले में विगत कई वर्षों से संचालित विभिन्न सामाजिक एवं जनसेवा गतिविधियों की जानकारी साझा की गई। टीम द्वारा रक्तदान शिविर, स्वास्थ्य जागरूकता, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति अभियान, साइबर जागरूकता,स्वच्छता एवं जरूरतमंदों की सहायता सहित विभिन्न जनहितकारी गतिविधियों के माध्यम से किए जा रहे प्रयासों से भी अवगत कराया गया। युवा टीम उमरिया के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी ने कहा कि टीम का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित, समाजहित एवं जनहित को सर्वोपरि रखते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाना है। युवाओं की ऊर्जा को रचनात्मक एवं सामाजिक कार्यों में लगाकर एक जागरूक, सुरक्षित और सहयोगी समाज का निर्माण करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन और सामाजिक संगठनों के बीच बेहतर समन्वय से जनहित के कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। युवा टीम उमरिया भविष्य में भी पुलिस प्रशासन के मार्गदर्शन एवं सहयोग से सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करती रहेगी।उन्होंने आगे कहा कि पुलिस और समाज एक-दूसरे के सहयोगी हैं। आपसी विश्वास, संवाद और सहभागिता से ही सुरक्षित एवं जागरूक समाज की परिकल्पना को साकार किया जा सकता है। युवा टीम उमरिया की ओर से नवागत एसडीओपी ललित गठरे को नवीन दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए आशा व्यक्त की गई कि उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और जनसेवा के प्रयासों को नई दिशा मिलेगी।इस अवसर पर युवा टीम उमरिया के अध्यक्ष हिमांशु तिवारी, उपाध्यक्ष राहुल सिंह, अभिनव दुबे, श्रीराम तिवारी, अंकित सिंह सहित टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।



बुढ़ार थाना क्षेत्र से 28 वर्षीय युवक लापता, पुलिस ने जारी किया गुम इंसान

मुलायम यादव की तलाश में पुलिस ने आमजन से मांगी मदद, जानकारी मिलने पर दिए गए नंबरों पर संपर्क करने की अपील

बुढ़ार। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र से 28 वर्षीय युवक मुलायम यादव अचानक लापता हो गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए गुम इंसान का इश्तहार जारी कर आम नागरिकों से उसकी तलाश में सहयोग की अपील की है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, युवक सीधी जिले से बुढ़ार थाना क्षेत्र के ग्राम विक्रमपुर में अपने रिश्तेदार जोधे यादव के घर आया हुआ था, जहां से वह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया। स्वजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

सीधी जिले का रहने वाला है युवक

जारी इश्तहार के मुताबिक, गुमशुदा युवक की पहचान मुलायम यादव (उम्र 28 वर्ष), पिता लाला यादव के रूप में हुई है। वह मूलतः ग्राम निधपुरी, पोस्ट भदौरा, थाना मड़वास, जिला सीधी (मध्य प्रदेश) का निवासी है।

युवक का हुलिया व शारीरिक पहचानःलंबाईः लगभग 5 फीट 6 इंच,रंग व चेहराः गेहुँआ रंग, गोल चेहरा,विशेष पहचानः दाहिने तरफ का कान कटा हुआ है, शारीरिक बनावटः सामान्य बदन,भाषा व बोलीः तोतलाकर बोलता है तथा हिंदी व क्षेत्रीय भाषा का प्रयोग करता हैअन्य विवरणः युवक मानसिक रूप से अस्वस्थ है और कक्षा नौवीं तक शिक्षित है।

सूचना देने के लिए पुलिस से संपर्क

पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी भी व्यक्ति को इस युवक के संबंध में कोई सुराग या जानकारी मिले, तो वे तुरंत नीचे दिए गए नंबरों पर संपर्क करें:थाना प्रभारी बुढ़ार / जांचकर्ताः 7587636146, 7773037896,पुलिस कंट्रोल रूम 7049101052,पुलिस ने आम नागरिकों से संवेदनशीलता दिखाते हुए इस गुमशुदा युवक को ढूँढने में सहयोग करने का आग्रह किया है।

मुख्यमंत्री ने सरसों की खेती को बढ़ावा देने के कटनी मॉडल को सराहा

रिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

खेती को लाभकारी बनाने, किसानों की आय बढ़ाने और कृषि विविधीकरण को प्रोत्साहित करने की दिशा में कटनी जिले में किए जा रहे नवाचार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सराहा है। बलराम कृषि महोत्सव के दौरान मुख्यमंत्री ने कलेक्टर श्री आशीष तिवारी की पहल से जिले में सरसों की खेती के क्षेत्राच्छादन रकवे में हुई वृद्धि को कृषि क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव का उदाहरण माना। कलेक्टर श्री तिवारी के मार्गदर्शन में किसानों को सरसों की खेती अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसका असर जिले में सरसों के बढ़ते रकबे, उत्पादन और उत्पादकता के रूप में सामने आया है। आंकड़े बताते हैं कि सरसों की खेती अब जिले में विस्तार की नई राह पर आगे बढ़ रही है।

3 वर्षों में बढ़ा सरसों का दायरा

वर्ष 2023-24 में जिले में सरसों का क्षेत्राच्छादन 13.5 हजार हेक्टेयर था। इस दौरान 19 हजार टन उत्पादन और 1410 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर उत्पादकता दर्ज की गई। वर्ष 2024-25 में रकबा बढ़कर 17.8 हजार हेक्टेयर, उत्पादन 26 हजार टन और उत्पादकता 1460 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर हो गई।

वर्ष 2025-26 में सरसों का रकबा 18.8 हजार हेक्टेयर पहुंचने, उत्पादन 28.3 हजार टन तथा उत्पादकता 1510 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रहने का अनुमान है। इस तरह तीन वर्षों में सरसों की खेती का क्षेत्रफल और उत्पादन लगातार बढ़ा है।

वैकल्पिक फसलों से समृद्धि की नई उम्मीद

कलेक्टर ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को बताया कि जिले के आदिवासी अंचलों ढीमरखेड़ा, बहोरीबंद और बड़वारा क्षेत्र में किसान चिया और अश्वगंधा जैसी वैकल्पिक फसलों की खेती भी कर रहे हैं। इससे किसानों को पारंपरिक खेती के साथ नए विकल्प अपनाने का अवसर मिल रहा है। सरसों सहित वैकल्पिक फसलों को प्रोत्साहन देने की यह पहल कृषि विविधीकरण को गति देने के साथ किसानों के लिए लाभ की नई संभावनाएं खोल रही है।

अनौपचारिक बैठक: शहडोल एआरएम अनूप कुमार बागरी और रेलवे मजदूर कांग्रेस के बीच रेल कर्मचारियों की समस्याओं पर हुई चर्चा

बुढ़ार। नव-पदस्थ क्षेत्रीय रेल प्रबंधक (एआरएम) शहडोल,अनूप कुमार बागरी के साथ साउथ ईस्ट सेंट्रल रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा शहडोल की एक महत्वपूर्ण अनौपचारिक बैठक 29 अक्टूबर को एआरएम कार्यालय शहडोल में संपन्न हुई।

इस बैठक में रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा शहडोल के पदाधिकारी जोनल कार्यकारी अध्यक्ष लक्ष्मण राव के नेतृत्व में शामिल हुए। बैठक के दौरान मुख्य रूप से निम्नलिखित पदाधिकारी उपस्थित रहे:शाखा सचिवः बालकृष्ण बंगारीशाखा अध्यक्षः प्रभाष कुमार,कार्यकारी अध्यक्षः हरीश सिंह,उपाध्यक्षः सी.एन. सिंह, सहायक सचिवः दिवाकर तिवारी एवं ओ.पी.पाण्डेय मौजूद रहे।



कर्मचारियों की समस्याओं पर हुई चर्चा

यह बैठक मजदूर कांग्रेस बिलासपुर के महामंत्री पीतांबर लक्ष्मी नारायण और मंडल समन्वयक बिलासपुर विजय अग्निहोत्री के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। बैठक में ऑपरेटिंग विभाग के ट्रेन मैनेजर, स्टेशन मास्टर और पॉइंट्समैन स्टाफ की कार्यस्थल पर आ रही विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उनके त्वरित निराकरण की पहल की गई।

एआरएम का किया गया स्वागत

कार्यक्रम की शुरुआत में नव-पदस्थ क्षेत्रीय रेल प्रबंधक (एआरएम) अनूप कुमार बागरी का पुष्पगुच्छ व स्वागत के साथ अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर रेलवे मजदूर कांग्रेस शाखा शहडोल के सचिव बालकृष्ण बंगारी ने जानकारी दी कि बिलासपुर जोन में रेलवे मजदूर कांग्रेस एकमात्र मान्यता प्राप्त संगठन है। रेलवे बोर्ड के नियमों और प्राप्त अधिकारों के तहत क्षेत्रीय रेल अधिकारियों के साथ हर तीन महीने में इस प्रकार की अनौपचारिक बैठकों का आयोजन किया जाता है, जिससे रेल कर्मचारियों की समस्याओं का समय पर उचित निराकरण किया जा सके।

देवबंद के ऐतिहासिक इजलास में गूंजी प्रदेश की आवाज

कुल हिंद राब्ते मदारिसे इस्लामिया के सम्मेलन में शामिल हुआ

शहडोल।

इस्लामी तालीम और दीनी मदारिस के मरकज दारुल उलूम देवबंद की धरती पर आयोजित कुल हिंद राब्ते मदारिसे इस्लामिया की मरकज़ी मजलिस-ए-आमिला और मजलिस-ए-उमूमी का राष्ट्रीय अधिवेशन बेहद भव्य और वैचारिक रूप से समृद्ध माहौल में संपन्न हुआ। इस राष्ट्रीय सम्मेलन में मध्य प्रदेश से उलेमाओं और जिम्मेदारान के एक विशिष्ट प्रतिनिधिमंडल ने पूरे जोश और सक्रियता के साथ शिरकत कर सूबे की नुमाइंदगी की। अधिवेशन में मध्य प्रदेश की जानिब से राब्ता मदारिसे इस्लामिया मध्य प्रदेश के सदर हजरत मौलाना मुफ्ती मोहम्मद अहमद खान साहब और नाजिम-ए-उमूमी हजरत मौलाना मुफ्ती जियाउल्लाह साहब कासमी विशेष रूप से मौजूद रहे। उनके साथ भोपाल और प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए गणमान्य विद्वानों व जिम्मेदारों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।





अकादमिक और वैचारिक सत्र में गूंजे महत्वपूर्ण विचार

सम्मेलन के दौरान आयोजित मजलिस-ए-उमूमी के इजलास में मध्य प्रदेश के सदर हजरत मौलाना मुफ्ती मोहम्मद अहमद खान साहब ने मंच से महत्वपूर्ण तजावीज (प्रस्तावों) की पुरजोर ताईद की। इस दौरान उन्होंने मदारिस के सभी जिम्मेदारान और उस्तादों को एक अहम पैगाम देते हुए कहा कि वे अपने बयानों और खुत्बों में दारुल उलूम देवबंद के अकाबिरों (बुजुर्गों) की लासानी जद्दोजहद, उनकी अजीम कुर्बानियों और राष्ट्र व समाज के प्रति उनकी गिरां-कद्र खिदमातों का जिक्र अवश्य करें। उन्होंने जोर देकर कहा कि आज की नई नस्ल को अपने असलाफ (पूर्वजों) के गौरवशाली इतिहास, उनकी बेमिसाल कुर्बानियों और शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान से वाकिफ कराना बेहद जरूरी है, ताकि युवा पीढ़ी अपनी तहजीब और तारीख से जुड़ी रहे।

मध्य प्रदेश के मदारिस के जिम्मेदारों की रही उल्लेखनीय भागीदारी

इस राष्ट्रीय महासम्मेलन में सूबा मध्य प्रदेश के विभिन्न संभागों और जिलों से मदारिस के तमाम जिम्मेदारान और असातिज़ा-ए-किराम ने बड़ी संख्या में शिरकत की। भोपाल से हजरत मौलाना मुफ्ती मोहम्मद अहमद खान साहब के हमराह इस सफर में शामिल होने वाले प्रमुख चेहरों में हजरत मौलाना मुफ्ती जियाउल्लाह साहब कासमी, हजरत मौलाना मुफ्ती रशीदुद्दीन साहब कासमी, देवास से जनाब मुहीउद्दीन साहब (उर्फ बब्बू भाई), हजरत मौलाना मुफ्ती मोहम्मद तबरेज खान साहब जामई, शहडोल से जनाब हाजी मोहम्मद जकरिया साहब, जनाब मुफ्ती शकील अहमद साहब वाजिदी, जनाब मौलाना मोहम्मद इसहाक साहब, जनाब मौलाना मोहम्मद राशिद अंसारी साहब, जनाब मौलाना असजद साहब, जनाब मौलाना हुजैफा साहब, जनाब असअद साहब और जनाब मुआज साहब शामिल रहे।

दीनी तालीम और रफ्ता-रफ्ता मजबूत होता ताल्लुक

देशभर से जुटे उलेमाओं के बीच आपसी संवाद, मदारिस के शैक्षणिक स्तर को और बेहतर बनाने, तथा आधुनिक दौर की चुनौतियों के बीच दीनी तालीम की हिफाजत को लेकर गंभीर मंत्रणा हुई। मध्य प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल की इस सक्रिय भागीदारी और राष्ट्रीय स्तर पर उनके विचारों की सराहना से पूरे प्रदेश के शैक्षणिक और धार्मिक हलकों में खुशी की लहर है। इस आयोजन ने सूबे के मदारिस को एक नई दिशा और ऊर्जा प्रदान की है।

रेत के अवैध परिवहन पर दो ट्रैक्टर-ट्रॉली की गई जब्त

रिभूमि न्यूज ⏭ बड़वारा

बड़वारा पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए रेत से लदी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां जब्त की हैं। दोनों वाहनों में रेत के परिवहन से संबंधित वैध दस्तावेज नहीं मिले। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य और डीएसपी मुख्यालय रत्नेश मिश्रा के मार्गदर्शन में की गई।

पुलिस के अनुसार, 27 अक्टूबर को भ्रमण के दौरान ग्राम भुडसा में मुसरा नाला के पास लाल रंग का महिंद्रा ट्रैक्टर मिला, जिसकी ट्रॉली में रेत भरी हुई थी। पुलिस को देखकर ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया।वहीं, 28 अक्टूबर को ग्राम बसाड़ी के मेन रोड पर पुलिस को एक अन्य महिंद्रा ट्रैक्टर मिला। इसकी ट्रॉली में भी रेत भरी हुई थी। पूछताछ में चालक ने अपना नाम लकी सिंह, पिता फूल सिंह, उम्र 30 वर्ष, निवासी ग्राम गणेशपुर, थाना बड़वारा बताया। चालक से रेत परिवहन संबंधी वैध दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

पुलिस ने दोनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त कर थाना परिसर में सुरक्षार्थ खड़ा कराया है। पुलिस ने संबंधित मामले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 106 के तहत कार्रवाई की है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी उप निरीक्षक सुयश पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक महेश प्रताप सिंह, सहायक उप निरीक्षक रामनाथ साकेत, प्रधान आरक्षक नितेश डोंगरे एवं आरक्षक रंजीत सिंह की विशेष भूमिका रही।

लापता महिला को सकुशल परिजनों से मिलाया

कटनी। वन स्टॉप सेंटर की टीम ने एक महिला को चंद घंटों में सकुशल उसके परिजनों तक पहुंचाया। जानकारी के अनुसार, महिला एवं बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी विजयराघवगढ़ संतोष अग्रवाल ने देर शाम कटनी बस स्टैंड पर महिला को अकेले भटकते हुए देखा। उन्होंने तत्काल जिला कार्यालय महिला एवं बाल विकास को इसकी सूचना दी। सहायक संचालक सुश्री वनश्री कुर्वेती ने वन स्टॉप सेंटर की टीम को महिला की सहायता के लिए रवाना किया। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक श्रीमती शैली तिवारी एवं उनकी टीम ने महिला से बातचीत की। महिला ने स्वयं को लखेरा क्षेत्र का निवासी बताया, लेकिन अपने घर का स्पष्ट पता नहीं बता सकी। इसके बाद विभागीय टीम ने पुलिस से समन्वय स्थापित किया और महिला को लेकर लखेरा क्षेत्र पहुंची। स्थानीय लोगों से पूछताछ कर महिला को उसके घर पहुंचाया।

खबर संक्षेप

स्वजातीय स्वर्णकार समाज की शोभा यात्रा के साथ पूजा-पाठ का कार्यक्रम आज



अनूपपुर। स्वजातीय स्वर्णकार समाज समिति अनूपपुर द्वारा आज 31 अक्टूबर, शनिवार को भव्य शोभा यात्रा एवं स्थानीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। समिति के आयोजकों ने जानकारी देते हुए बताया कि आज प्रातः 8.30 बजे राम जानकी मंदिर, अनूपपुर से शोभा यात्रा निकाली जाएगी, जो नगर भ्रमण करते हुए सर लगन पैलेस, अनूपपुर पहुंचेगी। वहां पूजा-पाठ के साथ स्थानीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। आयोजकों के अनुसार इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य एकता, सहयोग एवं समृद्धि की भावना को लेकर समाज में एकजुटता, आपसी भाईचारा और सहयोग को मजबूत करना है।समाज की उन्नति और उज्ज्वल भविष्य के लिए सभी को एक मंच पर जोड़ना इस कार्यक्रम का लक्ष्य है। समिति ने कहा- मिलकर चलेंगे तो बढ़ेंगे। आपसी सहयोग से समाज सशक्त होगा। शिक्षा, रोजगार और स्वावलंबन के साथ ही हर परिवार का सुख और सम्मान तभी संभव है जब हम सब साथ हैं। समिति ने संकल्प लिया कि एकजुट होकर अपने समाज को नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा। आयोजकों ने बताया कि आपका सहयोग, आपकी उपस्थिति और आपके विचार ही हमारे समाज की असली ताकत हैं।

सामाजिक न्याय से जुड़े विषयों की दी जानकारी

कटनी। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बुधवार को तहसील न्यायालय ढीमरखेड़ा परिसर में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में न्यायाधीश श्रीमती पूर्वी तिवारी ने उपस्थित पक्षकारों को सामाजिक न्याय से संबंधित विभिन्न विषयों की विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। शिविर का उद्देश्य आमजन को सामाजिक न्याय से जुड़े प्रावधानों के प्रति जागरूक करना तथा विधिक अधिकारों और न्यायिक प्रक्रियाओं की जानकारी उपलब्ध कराना रहा। इस दौरान उपस्थित पक्षकारों को संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया, ताकि वे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकें। कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेश प्रयासी, अटल बिहारी बाजपेयी सहित न्यायालयीन स्टाफ के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

17 पार्षदों के अविश्वास प्रस्ताव से घिरे उपाध्यक्ष अजय यादव, क्या बचा पाएंगे अपनी कुर्सी?

पसान नगर पालिका की सियासत में शक्ति प्रदर्शन की तैयारी, 11 नवंबर को होगा फैसला

अध्यक्ष राम अवध सिंह की अगुवाई में पेश हुआ था प्रस्ताव

कलेक्टर ने विशेष सम्मेलन के लिए जारी किया आदेश



अनूपपुर/बदरा। नगर पालिका परिषद पसान की सियासत अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। उपाध्यक्ष अजय ताराचंद यादव के खिलाफ पेश किए गए अविश्वास प्रस्ताव पर 11 नवंबर को शक्ति परीक्षण होगा। नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह सहित 17 पार्षदों की ओर से प्रस्तुत प्रस्ताव ने परिषद के भीतर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ा दी है। अब निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में जुटे पार्षद मतदान के दिन अपना समर्थन बरकरार रख पाते हैं या उपाध्यक्ष अजय यादव अपनी कुर्सी बचाने में सफल होते हैं। दरअसल, नगर पालिका अध्यक्ष राम अवध सिंह सहित 17 पार्षदों ने उपाध्यक्ष अजय ताराचंद यादव के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अनूपपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया था। इस आवेदन पर कलेक्टर रत्नाकर झा ने 28 अक्टूबर को आदेश जारी कर विशेष सम्मेलन की तारीख निर्धारित कर दी है। आदेश के मुताबिक 11 नवंबर को सुबह 11 बजे नगर पालिका परिषद पसान के सभाकक्ष में विशेष सम्मेलन आयोजित होगा। इसमें अविश्वास प्रस्ताव पर विचार और नियमानुसार मतदान कराया जाएगा।

17 पार्षदों की लामबंदी ने बढ़ाई राजनीतिक हलचल

अध्यक्ष राम अवध सिंह के साथ 17 पार्षदों का एकजुट होकर अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत करना नगर पालिका के भीतर बन रहे राजनीतिक समीकरणों को दर्शाता है। प्रस्ताव सामने आने के बाद से ही परिषद में उपाध्यक्ष के समर्थन और विरोध को लेकर चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि आवेदन के समय सामने आई पार्षदों की संख्या और मतदान के दिन पड़ने वाले मतों के बीच अंतर हो सकता है। ऐसे में 11 नवंबर का सम्मेलन ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट करेगा। राजनीतिक दृष्टि से यह देखना भी महत्वपूर्ण होगा कि मतदान के दौरान पार्षद अपनी मौजूदा भूमिका पर कायम रहते हैं या समीकरणों में कोई बदलाव आता है।

प्रशासन ने भी संभाली तैयारी, तीन मजिस्ट्रेट नियुक्त

विशेष सम्मेलन को लेकर प्रशासन ने कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने की तैयारी भी शुरू कर दी है। कलेक्टर ने इसके लिए तीन



कार्यपालिक मजिस्ट्रेट नियुक्त किए हैं। इनमें अनुविभागीय दंडाधिकारी अनूपपुर प्राची अग्रवाल, नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट मंगलदास चक्रवर्ती तथा नायब तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट ज्ञानदास पनिका शामिल हैं। नियुक्त अधिकारियों को पुलिस अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर सम्मेलन स्थल पर उपस्थित रहने और व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

कुर्सी बचाने और हटाने के बीच 11 नवंबर अहम

अविश्वास प्रस्ताव पर होने वाला मतदान उपाध्यक्ष अजय यादव के राजनीतिक भविष्य का फैसला करेगा। प्रस्ताव के पक्ष में नियमानुसार आवश्यक बहुमत मिलने पर उनकी उपाध्यक्ष पद की कुर्सी जा सकती है, जबकि प्रस्ताव असफल होने पर पद बरकरार रहेगा। फिलहाल परिषद के भीतर किसके पास कितना समर्थन है, इसका अंतिम खुलासा मतदान के दौरान ही होगा। 11 नवंबर को होने वाला यह शक्ति परीक्षण पसान नगर पालिका की राजनीति में आगे की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है।

राजेंद्रग्राम पुलिस का नशे के कारोबार पर बड़ा प्रहार, 211 किलो गांजा जब्त

21 लाख 19 हजार 900 रुपये कीमत की गांजे की खेप बरामद

तस्करी में इस्तेमाल कार जब्त, चालक अंधेरे का फायदा उठाकर फरार

अनूपपुर। जिले के पुष्पराजगढ़ क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ राजेंद्रग्राम पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गांजा तस्करी के एक मामले का खुलासा किया है। पुलिस ने ग्राम अचलपुर के पास घेराबंदी कर संदिग्ध कार से 211 किलो 99 ग्राम गांजा बरामद किया है। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 21 लाख 19 हजार 900 रुपये बताई गई है। वहीं तस्करी में इस्तेमाल कार को भी जब्त कर लिया गया है। हालांकि, पुलिस को देखकर कार चालक वाहन छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए खेतों की ओर फरार हो गया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के मार्गदर्शन एवं एसडीओपी पुष्पराजगढ़ के निर्देशन में की गई। पुलिस के अनुसार, 30 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि एक तेज रफ्तार कार में भारी मात्रा में गांजा ले जाया जा रहा है। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार बरकड़े के नेतृत्व में पुलिस टीम ने ग्राम अचलपुर के पास घेराबंदी कर दी।

अचलपुर के पास घेराबंदी, कार छोड़कर भागा चालक

पुलिस की घेराबंदी देखकर कार चालक वाहन



छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए खेतों की ओर भाग निकला। पुलिस टीम ने उसका पीछा भी किया, लेकिन वह पकड़ में नहीं आ सका। इसके बाद पुलिस ने संदिग्ध कार की तलाशी ली तो उसमें भारी मात्रा में गांजा रखा मिला। जांच के दौरान कुल 211 किलो 99 ग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसे विधिवत जब्त कर लिया गया। पुलिस ने गांजा परिवहन में इस्तेमाल कार क्रमांक सीजी 16 सीए 9735 को भी जब्त किया है। जब्त मादक पदार्थ की कीमत 21 लाख 19 हजार 900 रुपये आंकी गई है। वाहन के पंजीयन नंबर के आधार पर उसके मालिक और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था।

पुलिस के सामने चुनौती

211 किलो से अधिक गांजे की बरामदगी के बाद अब इस अवैध कारोबार से जुड़े नेटवर्क की पड़ताल महत्वपूर्ण हो गई है। इतनी बड़ी खेप के परिवहन में अन्य लोगों की संलिप्तता की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। फरार चालक की गिरफ्तारी के साथ गांजे के स्रोत, परिवहन मार्ग, संभावित खरीदारों और इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाना पुलिस के सामने चुनौती है। फिलहाल मामले में एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए विवेचना की जा रही है। इस कार्रवाई में एसडीओपी पुष्पराजगढ़ दीपक सिंह मरावी, थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र कुमार बरकड़े, प्रधान आरक्षक दीपचंद वर्मन, आरक्षक अवधलाल अहिरवार, आनंद प्रकाश बेके सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।



अर्नब तूफान का अमरकंटक में तीसरे दिन भी असर

बारिश की रफ्तार हुई कम, रिमझिम फुहारों से मौसम हुआ सुहाना

घने कोहरे के कारण वाहन चालकों को हो रही परेशानी

अमरकंटक। पवित्र तीर्थनगरी अमरकंटक में अर्नब तूफान का असर तीसरे दिन भी दिखाई दे रहा है। बीते तीन दिनों से लगातार बदलते मौसम के बीच पूरा अमरकंटक धुंध और कोहरे की चादर में सिमटा हुआ है। आसमान में छाए बादलों, पहाड़ियों पर उतरते कोहरे और रिमझिम बारिश ने समूचे क्षेत्र के वातावरण को एक अलग ही प्राकृतिक स्वरूप प्रदान कर दिया है। हालांकि, कल से बारिश की तीव्रता में कमी आई है, लेकिन रुक-रुककर हो रही हल्की बूंदाबांदी का सिलसिला अब भी जारी है। कभी धीमी फुहारें तो कभी घने कोहरे के बीच अमरकंटक की वादियां प्रकृति के मनोहारी दृश्यों से सराबोर नजर आ रही हैं। मौसम में आई इस तब्दीली से वातावरण में ठंडक घुल गई है और मौसम सुहाना हो गया है। एक ओर जहां बारिश और कोहरे ने अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं, वहीं दूसरी ओर घनी धुंध और कम दृश्यता के कारण वाहन चालकों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़कों पर दूर तक स्पष्ट दिखाई नहीं देने से दुर्घटनाओं की आशंका बनी हुई है। विशेषकर पहाड़ी और घुमावदार मार्गों पर वाहन चालकों को अतिरिक्त सतर्कता बरतनी पड़ रही है। ऐसे मौसम में वाहन चालकों से धीमी गति से वाहन चलाने, फॉग लाइट का उपयोग करने तथा सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की जा रही है। अमरकंटक के पर्वतीय क्षेत्र, जंगलों, सड़कों और आसपास की घाटियों में दिनभर धुंध का प्रभाव बना हुआ है। कई स्थानों पर कोहरे के कारण दूर तक दिखाई देना भी मुश्किल हो रहा है। पेड़-पौधों पर ठहरी बारिश की बूंदें और बादलों के बीच से गुजरती ठंडी हवाएं यहां के प्राकृतिक सौंदर्य को और भी आकर्षक बना रही हैं। तीन दिनों से जारी मौसम के इस बदलाव के बीच स्थानीय जनजीवन भी प्रभावित हुआ है। बारिश और कोहरे के कारण लोगों की दिनचर्या में बदलाव देखने को मिल रहा है। वहीं, पर्यटक और स्थानीय नागरिक सुहाने मौसम का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। अर्नब तूफान के प्रभाव से शुरू हुई बारिश अब भले ही धीमी पड़ रही हो, लेकिन रिमझिम फुहारों ने अमरकंटक के मौसम को खुशनुमा बना दिया है। प्रकृति की इस अद्भुत छटा के बीच पवित्र नगरी अमरकंटक इन दिनों धुंध, कोहरे और बारिश के अनूठे संगम से सजी किसी प्राकृतिक चित्रकला जैसी प्रतीत हो रही है।

भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष बने अटल ब्यौहार



आशुतोष तिवारी को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी, प्रदेश संगठन ने 19 जिलों में की नियुक्तियां

अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन में युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाते हुए अटल ब्यौहार को भारतीय जनता युवा मोर्चा अनूपपुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं आशुतोष तिवारी को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 29 अक्टूबर को जारी प्रदेश संगठन की नियुक्ति सूची के बाद जिले में भाजपा युवा मोर्चा को नया नेतृत्व मिल गया है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम टेलर ने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से प्रदेश के 19 जिलों के जिला अध्यक्षों एवं जिला महामंत्रियों की नियुक्ति की घोषणा की है। इसमें अनूपपुर जिले से अटल ब्यौहार को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। अटल ब्यौहार इससे पूर्व युवा मोर्चा के कोतमा मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभा चुके हैं। इसके साथ ही छात्र संगठन में भी उन्होंने विभिन्न दायित्वों का निर्वहन किया है। संगठनात्मक गतिविधियों में उनकी सक्रियता को देखते हुए पार्टी ने उन्हें जिला स्तर पर नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपी है। जिला अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद अब उनके सामने जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में युवा मोर्चा को मजबूत करने, मंडल और बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने तथा नए युवाओं को संगठन से जोड़ने की चुनौती रहेगी। वहीं आशुतोष तिवारी जिला महामंत्री के रूप में संगठनात्मक गतिविधियों में सहयोग करेंगे। अटल ब्यौहार की नियुक्ति से भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों की ओर से उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी जा रही हैं।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह की माताजी के निधन पर भाजपा जिलाध्यक्ष ने जताया शोक



अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता, केंद्रीय कृषि मंत्री एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की पूजनीय माताजी श्रीमती काशीबाई जी के निधन पर भाजपा जिलाध्यक्ष अनूपपुर हीरा सिंह श्याम ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। शोक संवेदना व्यक्त करते हुए हीरा सिंह श्याम ने कहा कि माताजी का निधन अत्यंत दुखद एवं पीड़ादायक है। इस कठिन समय में मेरी और संगठन की गहरी संवेदनाएं शोकाकुल चौहान परिवार के साथ हैं। उन्होंने ईश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें तथा शोक-संतप्त परिजनों को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करें। भाजपा जिलाध्यक्ष हीरा सिंह श्याम ने दिवंगत आत्मा को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि इस कठिन समय में पूरा संगठन शोकाकुल चौहान परिवार के साथ खड़ा है।

अनूपपुर में प्रशासनिक सुस्ती जांच के बाद भी कार्रवाई पर सवाल

सकोला पंचायत में 14 साल से जमे रोजगार सहायक पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप

अनूपपुर/बदरा। जनपद पंचायत अनूपपुर के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत सकोला इन दिनों विकास कार्यों में कथित वित्तीय अनियमितताओं, भ्रष्टाचार और प्रशासनिक सुस्ती को लेकर चर्चा के केंद्र में है। पंचायत में प्रधानमंत्री आवास योजना, खेत-तालाब निर्माण और अन्य जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के आरोप सामने आए हैं। सबसे बड़ा और गंभीर सवाल यह है कि जिला पंचायत सीईओ और कलेक्टर अनूपपुर के समक्ष कई बार शिकायतें दर्ज होने, जांच में मामले सही पाए जाने और दोषियों की पुष्टि होने के बावजूद अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं की गई है?

14 वर्षों से एक ही पंचायत में पदस्थ होने और मनमानी के आरोप

ग्रामीणों का आरोप है कि पिछले 14 वर्षों से रोजगार सहायक (सहायक सचिव) के रूप में पदस्थ रमेश विश्वकर्मा के कार्यकाल में पंचायत का कामकाज प्रभावित रहा है। ग्रामीणों का दावा है कि बिना लेनदेन के पंचायत स्तर पर कोई भी कार्य नहीं किया जाता है। हरिजन, आदिवासी सहित गांव का हर वर्ग उनकी कार्यप्रणाली से त्रस्त है। स्थिति यह है कि ग्रामीणों को अपने बुनियादी अधिकारों और योजनाओं का लाभ पाने के लिए सीएम हेल्पलाइन से लेकर जनपद और जिला स्तर के अधिकारियों के चक्कर काटने पड़े हैं। इस दौरान सैकड़ों शिकायत फाइलें तैयार की गईं, लेकिन प्रशासनिक स्तर पर नतीजा सिफर ही रहा।

प्रधानमंत्री आवास और निर्माण कार्यों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी के दावे

शिकायतकर्ताओं का कहना है कि ग्राम पंचायत सकोला में



प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों के चयन और निर्माण कार्यों में भारी अनियमितताएं बरती गईं। इसके अलावा, खेत-तालाब निर्माण और अन्य विकास कार्यों में भी स्वीकृत राशि और धरातल पर हुए निर्माण कार्य के बीच जमीन-आसमान का अंतर है। यदि इन सभी कार्यों की माप पुस्तिका, भुगतान अभिलेख, कार्यादेश और मौके की स्थिति का तकनीकी मूल्यांकन कराया जाए, तो वित्तीय हेराफेरी की परतें आसानी से खुल सकती हैं।

जांच हुई, रिपोर्ट आई, फिर कार्रवाई ठंडे बस्ते में क्यों?

इस पूरे मामले का सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि शिकायतकर्ताओं द्वारा जब संबंधित अधिकारियों के समक्ष साक्ष्यों के साथ शिकायतें रखी गईं, तो मामलों की जांच भी की गई। ग्रामीणों का दावा है कि जांच के दौरान वित्तीय अनियमितताएं और गड़बड़ियां सामने भी आईं, लेकिन इसके बावजूद आज तक ऐसा कोई ठोस प्रशासनिक कदम नहीं उठाया गया जिससे जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय हो सके। ग्रामीण यह सवाल पूछने पर मजबूर हैं कि क्या विभागीय स्तर पर जांच प्रतिवेदनों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है? क्या पूर्व में जब रमेश विश्वकर्मा के पास पंचायत सचिव का प्रभार था, तब से लेकर वर्तमान सहायक सचिव के पद तक की गतिविधियों की निष्पक्ष वित्तीय ऑडिट कराई गई है?

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठ रहे बड़े सवाल

ग्रामीण विकास योजनाओं का मूल उद्देश्य गांवों में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करना, गरीबों को पक्का आवास देना और किसानों के खेतों में जल संरक्षण जैसी सुविधाएं पहुंचाना है। लेकिन सकोला पंचायत में इन योजनाओं का हश्र प्रशासनिक उदासीनता की पोल खोल रहा है। यदि समय रहते जिला प्रशासन ने इस मामले का संज्ञान नहीं लिया, तो आम जनता का स्थानीय प्रशासनिक व्यवस्था से विश्वास उठना तय है।

कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग

सकोला पंचायत के ग्रामीण अब जिला प्रशासन और जिला पंचायत के वरिष्ठ अधिकारियों से यह मांग कर रहे हैं कि पूर्व में की गई सभी शिकायतों और जांच प्रतिवेदनों की नए सिरे से समीक्षा की जाए। अभिलेखों की वास्तविक स्थिति को सार्वजनिक करते हुए यदि अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध त्वरित और सख्त वैधानिक तथा विभागीय कार्रवाई की जाए, ताकि भ्रष्टाचार पर लगाम लग सके और पात्र ग्रामीणों को उनका हक मिल सके।